

मौसी बनी छह दिन की बीवी-1

“मेरी मम्मी की एक दूर की बहन की शादी हमारे शहर में हुई है। वो अकसर हमारे घर आती तो लगता कि पकड़ कर चोद दूँ मौसी की चूत को! एक बार मौसी हमारे घर एक सप्ताह रही तो मैंने कसी मौसी को चोदा!...”

Story By: (56rahulverma)

Posted: Sunday, September 2nd, 2018

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [मौसी बनी छह दिन की बीवी-1](#)

मौसी बनी छह दिन की बीवी-1

अन्तर्वासना के सभी पाठको को मेरा नमस्कार !

यह कहानी मेरे और मेरी मौसी के बीच शुरू हुए चुदाई के सफ़र की है ।

यह मेरी पहली कहानी है अतः कोई गलती हो तो माफ़ करें ।

दोस्तो, मेरा नाम राहुल (बदला हुआ) है, मैं कानपुर का रहने वाला हूँ, मेरी उम्र 22 साल है, मेरी लम्बाई 5.8 है । मेरे लंड की लम्बाई 6.5 इंच व मोटाई 2.5 इंच है ।

मेरी मम्मी की एक दूर की बहन की शादी हमारे शहर में हुई है । जब भी वो घर आती तो उनको देखता ही रह जाता । उनका नाम रूपाली है, उनकी उम्र 26 साल है, उनका फिगर 34-30-36 का है । उनका दूध सा गोरा रंग और उनकी उठी चुचियाँ और गांड तो ऐसी गोल कि लगता कि अभी पकड़ के चोद दो ।

एक बार हमारे किसी रिश्तेदार की शादी में मौसी और मेरे परिवार को भोपाल जाना था । मैं शादी में नहीं जा रहा था । मौसी का लड़का जो दूसरी क्लास में है, उसके स्कूल की वजह से मौसी और मौसा जी में से कोई एक ही जा सकता था । तो मौसा जी ने जाना ठीक समझा ।

मुझे खाना बनाना नहीं आता तो मम्मी ने मौसा जी को बोला कि रूपाली को हमारे घर में छोड़ दें ।

शाम को मौसा जी मौसी को हमारे घर पर छोड़ कर मम्मी पापा के साथ छह दिन के लिये भोपाल चले गये ।

मैं बैठे-बैठे सोच रहा था कि मौसी की चूत का मज़ा कैसे लिया जाये । मैं मेडिकल स्टोर गया वहां से सेक्स वाली 2 गोली ले आया । तब तक मौसी ने खाना भी बना लिया था । हम

सबने खाना खाया ।

मैं टीवी देख रहा था ।

फिर मौसी आयी, उन्होंने कहा कि वो नहाने जा रही हैं ।

मैं सोच रहा था कि मौसी को गोली कैसे खिलाऊँ ।

मौसी नहा कर बाहर आ गई, मौसी ने एक मैक्सी पहन रखी थी । मौसी भी वहीं बैठ कर टीवी देखने लगी । मैं बार-बार मौसी को ही देख रहा था । मौसी ने शायद ब्रा नहीं पहनी थी, उनके निप्पल साफ़ दिख रहे थे ।

तभी मौसी बोली- राहुल, एक ग्लास पानी ला दे ।

मैं किचन में गया और मौसी के पानी में गोली मिला दी ।

मौसी ने पानी पिया और टीवी बंद कर दिया । फिर मौसी ने कहा- चलो सो जाते हैं ।

तो मैंने कहा- आप सो जाओ, मैं आता हूँ ।

तो बोली- नहीं अभी चलो, मुझे डर लगता है ।

फिर हम दूसरे कमरे में आ गये मैंने लाइट बंद कर दी और मौसी के बगल में लेट गया ।

बीस मिनट बाद मुझे कुछ हलचल महसूस हुई । मैंने हल्की सी आँख खोल के देखा तो मौसी एक हाथ से अपनी चूत सहला रही थी । मौसी बहुत देर से अपनी चूत में उंगली कर रही थी । अब मुझसे भी रहा नहीं जा रहा था, मैंने मौसी की तरफ अपना चेहरा किया और धीरे से उनकी एक चूची को दबाना शुरू किया ।

मौसी भी आँख बंद कर के मज़ा ले रही थी ।

मुझे भी काम बनता नजर आ रहा था तो मैंने भी अपना दूसरा हमला किया । मैंने अपने होंठ मौसी के होंठ पर रख दिए और मौसी के होंठों का रस पीने लगा । थोड़ी देर बाद मौसी

भी साथ देने लगी।

मैंने अपना एक हाथ उनकी चूत पर रखा, उनकी चूत बहुत गीली हो गई थी।

फिर मैंने उनकी मेक्सी उतार दी, अब मौसी केवल पेंटी में थी क्योंकि वो रात को ब्रा नहीं पहनती।

मैं उठा और मैंने लाइट ओन कर दी। मौसी ने अपना चेहरा हाथों से छुपा लिया और लाइट बंद करने को कहने लगी। सफ़ेद रोशनी में उनका शरीर संगमरमर की तरह चमक रहा था। मैं लाइट चालू छोड़ कर वापस उनके पास चला गया।

मैंने मौसी की एक चूची को मुँह में भर लिया और दूसरी को हाथों से मसलने लगा। मौसी पुनः गर्म होने लगी थी। मौसी ने भी अब शर्म छोड़ के मेरा साथ देना शुरू कर दिया था।

अब मैं थोड़ा नीचे सरक कर उनकी नाभि को अपनी जीभ से सहला रहा था। फिर मैंने उनकी जान्घों पे चूमना और हलके-हलके दाँतों से काटना शुरू किया। अब मौसी उम्ह... अहह... हय... याह... की आवाजें निकाल रही थी।

अचानक मौसी का शरीर अकड़ने लगा और वो एक तेज़ आवाज़ के साथ झड़ने लगी, उनका रस उनकी चड्डी से बाहर आकर चादर को गीला करने लगा था।

मैंने उनकी चड्डी को दाँतों से पकड़ के उतार दिया, मौसी की चूत बालों से ढकी हुई थी। अब मैं उनकी टांगों के बीच में आ गया और उनकी चूत के पास मुँह ले जा कर जीभ से उसे चाटने लगा।

मैंने उनकी चूत को चाट-चाट कर साफ़ कर दी थी।

मौसी अब फिर से गर्म हो गयी थी, वो अपने हाथों से मेरा सर अपनी चूत पर दबाने लगी थी।

अब मौसी ने पहली बार कुछ बोला- राहुल बेटा, मुझे चोद कर अपना बना ले ।
मैंने मौसी से कहा- मेरे कपड़े तो उतारो !

उन्होंने आगे बढ़ कर मेरा लोवर और चड्डी उतारी मेरे लंड को हैरानी से देखने लगी ।
मैंने पूछा- मौसी जी, क्या हुआ ?
तो वो बोली- तुम्हारे मौसा जी से तुम्हारा बड़ा है ।

मैंने लंड आगे करते हुए उनको चूसने को बोला तो उन्होंने मना कर दिया, उन्होंने कहा-
मुझे पसंद नहीं ।
मैंने भी जोर नहीं दिया ।

अब मैं उनकी टांगों के बीच में आ गया और लंड को उनकी चूत के ऊपर रगड़ने लगा ।
मौसी बार-बार अपनी कमर उचका रही थी ।
फिर उन्होंने कहा- कितना तड़पाते हो ।

मैंने लंड को उनकी चूत के मुँह पर रखा और हल्का से धक्का दिया तो मेरे लंड का आगे का
हिस्सा अंदर चला गया ।
उनके चेहरे पर दर्द साफ़ दिख रहा था । मैंने उनके होंठों पर अपने होंठ रख दिये और चूसने
लगा ।

थोड़ी देर बाद मैंने एक झटका मारा तो मेरा आधा लंड मौसी की चूत के अंदर था, उनकी
तो साँस ही अटक गयी थी । फिर मैंने अपना लंड बाहर निकाला और जोर से एक शॉट
मारा इस बार मेरा पूरा लंड मौसी की चूत में फिट हो गया, उनके मुँह से 'आईई... माँ...
मार डाला रे... उम्म... बाहर निकाल इसको... वरना मैं मर जाऊँगी !' के दर्द भरे स्वर
निकलने लगे ।

मेरी मौसी दर्द से बिलबिला उठी थी, वो मुझसे खुद अलग करना चाहती थी लेकिन मैंने

अपनी मौसी के नंगे बदन को मजबूती से पकड़ रखा था।

मैं वैसे ही रुका रहा, जब वो शांत हुई तो उन्होंने आँखों से धक्का लगाने का इशारा किया तो मैंने धक्के लगाना शुरू किया।

यह सब मैं बहुत आराम से कर रहा था क्योंकि अब मैं उनको बिना दर्द संतुष्ट करना चाहता था। जब भी मैं धक्का लगता तो मेरा लंड उनकी बच्चेदानी से टकरा जाता जिससे वो थोड़ा ऊपर उचक जाती।

मुझे इस में मज़ा आने लगा था।

मौसी अब 'हाययय... सीईईई... उफफफ... अम्मम...' जैसी सिसकारी लेने लगी थी, मैं धीमे-धीमे अपने धक्को की गति को बढ़ता जा रहा था जिससे मौसी की सिसकारी अब चीखों में बदल गई थी। बेड भी हमारी ताल से ताल मिला कर आवाज़ कर रहा था।

अब मौसी ने आह्ह्ह... अहह... शह्ह... के तेज़ शोर के साथ झड़ना शुरू कर दिया, इस बार उनका बहुत सारा रस निकला लेकिन मेरा अभी बाकी था तो मैं मौसी को घोड़ी बना कर पीछे से चोदने लगा, मैं उनके दोनों आम को हाथों से दबाने लगा।

जब मुझे लगा कि अब मैं ज्यादा देर रुक नहीं पाऊँगा तो मैंने अपनी रफ़्तार बढ़ा दी। जैसे ही मुझे लगा कि मैं छुटने वाला हूँ तो मैं अपना लंड बाहर निकाला और अपना माल अपनी मौसी की गांड के ऊपर छोड़ दिया।

मौसी की चूत की चुदाई की कहानी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

मैं मौसी के बगल में लेट गया, उनको अपनी बाँहों में भर लिया और ऐसे हम बिना कपड़ों के सो गये।

सुबह मौसी ने मुझे उठाया, मैंने पूछा- हर्ष(मौसी का बेटा) कहाँ है ?

तो मौसी ने कहा- वो तो स्कूल चला गया ।

जैसे ही मौसी जाने के लिय मुड़ी मैंने उनका हाथ पकड़ लिया और अपने पास खींचा ।

वो मेरे पास आ गयी, मैंने उनके होंठों पर किस किया और उनका एक हाथ अपने लंड पर रख कर पूछा- कैसी लगी इसकी सेवा ?

मौसी ने शर्म से सर नीचे कर लिया और धीरे से बोली- बहुत अच्छी !

इससे पहले मैं कुछ बोल पाता, मौसी ने खुद को मुझसे आज़ाद किया और कमरे से बाहर भाग गयी ।

मैं उठा और नंगा ही हल्का होने चला गया, वापस आया और ब्रेश किया । फिर देखा कि मौसी किचन में कुछ काम कर रही थी । मैं उनके पीछे चिपक के खड़ा हो गया, मेरा लंड मौसी की गांड में चुभ रहा था, मैं उनकी गर्दन पर उनको चूमने लगा ।

मैंने हाथ आगे बढ़ा कर गैस बंद कर दी । मौसी कुछ समझ नहीं पाई कि मैं क्या करने वाला हूँ ।

मैंने मौसी को अपनी गोद में उठा लिया और उनको लेकर बाथरूम में आ गया । मैंने उनकी मेक्सी उतार कर पुनः उनको नंगी कर दिया और शावर चालू कर दिया, मौसी की पीठ को चूमने व दाँतों से हल्के-हल्के कटने लगा ।

फिर मैंने मौसी को सीधा किया, उनके एक मम्मे को मुँह में भर लिया और चूसने लगा और दूसरे को हाथों से मसलने लगा । कभी उनके मम्मे चूसता तो कभी उनके निप्पल को दो उंगलियों से दबा देता । मौसी बस 'आह... या... उफ़...' की आवाज ही कर रही थी ।

अब मैं नीचे आया और उनकी चूत चाटने लगा, वो मेरा सर अपनी चूत में दबा रही थी । जब मैं उनके चूत के दाने को दाँतों से खींच लेता तो वो और मस्त हो जाती ।

अब वो कभी भी अपने चरम बिंदु पर पहुँच सकती थी, इसलिये मैंने जोर से चाटना शुरू किया।

थोड़ी देर में मौसी अपनी चूत मेरे मुँह पर रख कर झड़ने लगी।
फिर हमने एक दूसरे को साफ़ किया।

कमरे में आकर मौसी अपने आप को शीशे में देख रही थी, उनके बदन पे मेरे प्यार करने की वजह से जगह जगह लाल निशान पड़ गये थे।

मैंने मौसी से कहा- मौसी जी, आप नीचे के बाल क्यों नहीं बनाती ?

मौसी- घर के काम से फुर्सत ही नहीं मिलती।

मैं- अगर आप कहो तो मैं बना दूँ ?

मौसी- हाँ ठीक है।

मैं अपनी शेविंग किट उठा लाया और मौसी को फर्श पर लिटा दिया और बोला- आप दोनों हाथ ऊपर कर लो।

मौसी- वो क्यों ?

मैं- अरे आपकी बगलों के बाल भी बड़े हैं।

उन्होंने दोनों हाथ ऊपर किये मैंने उनके दोनों बगलों के बाल बना कर बिल्कुल चिकना कर दिया।

फिर मैं नीचे आया और मौसी की चूत पर शेविंग फोम लगा कर रेजर से उनकी झांट के बाल हटाने लगा। अब पहली बार उनकी गुलाबी चूत के दर्शन हुए, मैंने कपड़े से उनकी चूत साफ़ की।

मैंने मौसी से कहा- पहली बार आपकी चूत दिखी है, वरना अभी तक तो अँधेरे में तीर चला रहा था।

इस बात पर हम दोनों हँस दिए।

मैंने चूत को कपड़े से साफ़ किया और उस पर एक चुम्मा किया। फिर मैं धीरे धीरे उसे चाटने लगा, मौसी भी मेरे बालों में हाथ घुमाने लगी।

फिर मौसी ने जो कहा वो सुन कर मुझे हैरानी हुई। उन्होंने मुझसे कहा- मैं तुम्हारा लंड चूसना चाहती हूँ।

मैंने उनसे इशारे में पूछा- ऐसा क्यों ?

तो वो बोली- तुम इतना कुछ कर रहे हो मेरे लिये, मैं भी तुमको खुश करना चाहती हूँ।

फिर हम 69 की अवस्था में आ गये, मैं उनकी चूत चाट रहा था, वो मेरे लंड को चूस रही थी। पहले वो ठीक से नहीं चूस पा रही थी लेकिन थोड़ी देर बाद वो अच्छे से चूसने लगी थी, कभी वो मेरे लंड के सुपारे को मुँह में भर लेती तो कभी पूरा लंड अपने गले में अंदर तक उतार लेती।

इस चुसाई से मेरा लंड गीला हो गया था।

मैंने उनके मुँह से लंड निकला और उनकी चूत में डाल दिया, उनकी चूचियां तन कर ऊपर उठ गयी थी। मैं चूत में लंड डाल कर रुक गया, उनकी एक चूची को मुँह में भर लिया और उनके निप्पल को चूसने लगा। उनके उठे हुए निप्पल को जब भी जीभ से छू लेता तो वो जोश से और कड़क हो जाते।

मैंने उनकी चूची को छोड़ कर उनका निचला वाला रसीला, नर्म और लाल होंठ मुँह में दबा लिया और चूसने लगा। मौसी भी मेरा साथ पूरे समर्पण के साथ दे रही थी, उनके हाथ लगातार मेरे सीने पर घूम रहे थे, मैं उत्तेजना की वजह से उनको जोर जोर से चूम रहा था।

अचानक से उनके मुँह से आईई की आवाज निकली, मेरे मुँह में कुछ खून ऐसा स्वाद आने लगा था। मैंने उनके होंठ को देखा तो वहां मेरे जोर से चूमने की वजह से दांतों से कट गया था और उसमें से खून रिसने लगा था।

मैंने मौसी से सॉरी कहा तो उन्होंने मुस्कुरा कर कहा- कोई बात नहीं!
और वापस से मेरे होंठ को चूसने लगी।

वो अब शायद कुछ ज्यादा चुदासी हो गयी थी और बार बार नीचे से कमर उठा रही थी,
शायद वो चूत चुदवाने के आतुर हो गई थी।

मेरे भी शरीर के रोम रोम में जोश कई गुना बढ़ गया था। मैंने उनके हाथों की उंगलियों में
अपनी उंगलियाँ फंसा दी और अपनी कमर को मद्धम गति से उनकी चूत में लंड अंदर
बाहर करने लगा।

थोड़ी देर में मौसी चुदासी होकर 'चोदो मुझे... फ़क मी हार्ड... डोंट स्टॉप... और जोर से
चोदो मुझे... आअह्हह... स्स्स..हम्म... ' कहने लगी।

मैंने भी अपनी रफ़्तार बढ़ा दी और उनको पूरा दम लगा चोदने लगा। फिर वो 'मैं आने
वाली हूँ... रुकना मत!' बोलते हुए झड़ने लगी।

लेकिन मेरा अभी बाकी था तो मैं लगा रहा। मेरे हर धक्के के जवाब में वो अपने चूतड़ उठा
कर मेरा स्वागत कर रही थी।

कुछ धक्कों के बाद मुझे लगा कि मेरा होने वाला है तो मैंने रफ़्तार बढ़ा दी, मैंने अपना
लंड बाहर निकला और चूत के ऊपर अपना सारा माल निकाल दिया और उसे हाथों से
उनकी चूत पर अच्छे से मल दिया।

मैं जमीन पर लेट कर सो गया।

कुछ समय बाद मौसी ने आवाज दी- नाश्ता बन गया है।

मैं उठा कपड़े पहने हमने नाश्ता किया।

कहानी जारी रहेगी.

56rahulverma@gmail.com

